भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1978
गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

संवहनीय विमान ईंधन (एसएएफ) संबंधी प्रगति

1978. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार संवहनीय विमान ईंधन (एसएएफ) नीति शुरू करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा एसएएफ के उपयोग/सम्मिश्रण के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं;

(ग) देश में एसएएफ अनुसंधान में वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, निजी कंपनियां और अनुसंधान संस्थान जैसे कौन-कौन से संगठन शामिल हैं;

(घ) प्रस्तावित उक्त नीति एसएएफ के उत्पादन और अंगीकरण के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने में किस प्रकार सहायता करेगी;

(ङ) क्या सरकार एसएएफ अनुसंधान और उत्पादन के लिए आवश्यक उच्च निवेश को देखते हुए एसएएफ के उक्त उत्पादन के लिए किसी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) उक्त नीति में एसएएफ उत्पादन के लिए फीडस्टॉक चुनौतियों का समाधान करने हेतु क्या तरीके प्रस्तावित हैं; और

(छ) एसएएफ किस प्रकार भारत को अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के अंतर्राष्ट्रीय विमानन के लिए कार्बन ऑफसेटिंग और न्यूनीकरण योजना (सीओआरएसआईए) के लक्ष्यों के साथ संरेखित करने में सहायता करेगा?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (छ): सरकार ने संवहनीय विमान ईंधन (एसएएफ) नीति/ दिशानिर्देश तैयार करने के लिए कदम उठाए हैं। उक्त नीति/ दिशानिर्देशों की रूपरेखा को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

सरकार ने शुरू में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पारंपरिक एटीएफ में एसएएफ के सम्मिश्रण हेतु वर्ष 2027 तक 1%, वर्ष 2028 तक 2% और वर्ष 2030 तक 5% के सांकेतिक सम्मिश्रण लक्ष्यों को अनुमोदन प्रदान किया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां घोषित सम्मिश्रण लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं।

विभिन्न कंपनियां/ पीएसयू अर्थात् इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड, मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, सीएसआईआर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम आदि वर्तमान में एसएएफ उत्पादन/ अनुसंधान पर काम कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) ने अंतरराष्ट्रीय विमानन क्षेत्र से उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक बाजार-आधारित उपाय के रूप में अंतरराष्ट्रीय विमानन के लिए कार्बन ऑफसेटिंग और रिडक्शन योजना (कॉर्सिया) को अपनाया है, जिसके लिए मानक स्तर से ऊपर के उत्सर्जन की भरपाई की आवश्यकता होती है।

एयरलाइनें या तो एसएएफ़ का उपयोग कर सकती हैं अथवा आईसीएओ द्वारा अनुमोदित एमिशन यूनिट प्रोग्राम से कार्बन क्रेडिट खरीदकर अपने उत्सर्जन की भरपाई कर सकती हैं। एसएएफ़ विमान ईंधन के लाइफसाइकिल कार्बन फुटप्रिंट को कम करके उत्सर्जन में कमी लाने का सीधा उपाय प्रदान करता है। जब एयरलाइनें आईसीएओ के संधारणीयता मानकों के अनुसार प्रमाणित और मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग तथा वेरिफिकेशन (एमआरवी) के माध्यम से सत्यापित कॉर्सिया अनुरूप एसएएफ़ (कॉर्सिया अनुरूप ईंधन) अपनाती हैं, तो वे इन कटौतियों का दावा कार्बन क्रेडिट के बदले कर सकती हैं, जिससे इस योजना के तहत उनकी भरपाई का दायित्व कम हो जाता है।

*****